Maha Kumbh Area a New District: महाकुंभ क्षेत्र एक नया जिला

✓The Uttar Pradesh government has declared the Maha Kumbh area in Prayagraj as a new district, named the Maha Kumbh Mela district, ahead of the grand religious event scheduled for January 2025. This decision marks a crucial step to streamline the administrative and logistical efforts for the smooth organization of the Kumbh Mela, which attracts millions of pilgrims from across the world. The creation of the new district aims to enhance coordination, law enforcement, and resource management for the event. उत्तर प्रदेश सरकार ने जनवरी 2025 में होने वाले भव्य धार्मिक आयोजन से पहले प्रयागराज में महाकुंभ क्षेत्र को एक नया जिला घोषित किया है, जिसका नाम महाकुंभ मेला जिला रखा गया है। यह निर्णय कुंभ मेले के सुचारू आयोजन के लिए प्रशासनिक और रसद प्रयासों को कारगर बनाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है, जिसमें दुनिया भर से लाखों तीर्थयात्री आते हैं। नए जिले के निर्माण का उद्देश्य आयोजन के लिए समन्वय, कानून प्रवर्तन और संसाधन प्रबंधन को बढ़ाना है।

Miniature Paintings: लघु चित्रकलाएँ

- ✓ New Delhi exhibition showcased the evolving relevance and global interpretations of South Asian miniature painting, featuring 20 diverse artists and emphasizing its dynamic cultural significance.The term ‘miniature’ comes from the Latin ‘Minium,’ meaning red lead paint, used in Renaissance illuminated manuscripts.These small, detailed paintings are typically no larger than 25 square inches, with subjects painted at 1/6th of their actual size. Common features include bulging eyes, pointed noses, and slim waists. नई दिल्ली प्रदर्शनी में दक्षिण एशियाई लघु चित्रकला की उभरती प्रासंगिकता और वैश्विक व्याख्याओं को प्रदर्शित किया गया, जिसमें 20 विविध कलाकार शामिल हुए और इसके गतिशील सांस्कृतिक महत्व पर जोर दिया गया। ‘लघु’ शब्द लैटिन ‘मिनियम’ से आया है, जिसका अर्थ है लाल सीसा पेंट, जिसका उपयोग पुनर्जागरणकालीन प्रबुद्ध पांडुलिपियों में किया जाता है। ये छोटी, विस्तृत पेंटिंग आमतौर पर 25 वर्ग इंच से बड़ी नहीं होती हैं, जिनमें विषयों को उनके वास्तविक आकार के 1ध्6वें हिस्से में चित्रित किया जाता है। आम विशेषताओं में उभरी हुई आँखें, नुकीली नाक और पतली कमर शामिल हैं।

Archaeological Site Of Lothal : In News लोथल का पुरातात्विक स्थल खबरों में

✓ An IIT Delhi student died and three others were injured after soil collapsed on them when they entered a pit near the archaeological site of Lothal in Gujarat for research recently. हाल ही में गुजरात के लोथल के पुरातात्विक स्थल के पास एक गड्ढे में मिट्टी गिरने से आईआईटी दिल्ली के एक छात्र की मौत हो गई और तीन अन्य घायल हो गए।

✓ Lothal is an excavated site situated in the Bhal region in Dholka, Ahmedabad, Gujarat. लोथल गुजरात के अहमदाबाद के ढोलका में भाल क्षेत्र में स्थित एक उत्खनन स्थल है।

✓ It is one of the prominent cities of the ancient Indus Valley civilization (IVC). The origin and history of Lothal can be dated back to 2400 BC. यह प्राचीन सिंधु घाटी सभ्यता (आईवीसी) के प्रमुख शहरों में से एक है। लोथल की उत्पत्ति और इतिहास 2400 ईसा पूर्व का माना जा सकता है।

Archaeological Site Of Lothal : In News लोथल का पुरातात्विक स्थल खबरों में

- ✓ Lothal was one of the southern cities of the IVC, located in the Gulf of Khambat region. लोथल आईवीसी के दक्षिणी शहरों में से एक था, जो खंबात क्षेत्र की खाड़ी में स्थित था।
- ✓ It is the only port town of the IVC. यह आईवीसी का एकमात्र बंदरगाह शहर है।
- ✓ Lothal was discovered by SR Rao, an Indian archaeologist, in 1954. लोथल की खोज 1954 में भारतीय पुरातत्वविद् एसआर राव ने की थी।
- ✓ Literally called 'Mound of the Dead', this ancient and desolate ruined city of Lothal provides insight into the life of the Harappan culture and the IVC. शाब्दिक रूप से श्मृतकों का टीलाश कहा जाने वाला, लोथल का यह प्राचीन और उजाड़ खंडहर शहर हड़प्पा संस्कृति और आईवीसी के जीवन के बारे में जानकारी देता है।
- ✓ Like other cities of the Indus Valley Civilization, Lothal too had excellent architecture and town planning. सिंधु घाटी सभ्यता के अन्य शहरों की तरह, लोथल में भी उत्कृष्ट

THE TUTORS ACADEMY

Archaeological Site Of Lothal : In News लोथल का पुरातात्विक स्थल खबरों में

- ✓The upper part, or acropolis, was where the ruler and other important people of the city lived, while the lower part was meant for the common people. ऊपरी भाग, या एक्रोपोलिस, वह स्थान था जहाँ शासक और शहर के अन्य महत्वपूर्ण लोग रहते थे, जबकि निचला भाग आम लोगों के लिए था।

- ✓The entire city had a scientific drainage system, well-laid paved roads, and a bath for every house, some of which were double-storied and built on mud platforms. पूरे शहर में एक वैज्ञानिक जल निकासी प्रणाली, अच्छी तरह से बनाई गई पक्की सड़कें और हर घर के लिए एक स्नानघर था, जिनमें से कुछ दो मंजिला थे और मिट्टी के प्लेटफार्मों पर बने थे।

- ✓The most architecturally sophisticated part of Lothal was its dockyard, which provided berthing facilities for the ships. लोथल का सबसे परिष्कृत वास्तुशिल्प हिस्सा इसका डॉकयार्ड था, जो जहाजों के लिए बर्थिंग सुविधाएँ प्रदान करता था।

THE TUTORS ACADEMY

UNESCO Declares West Bengal a Top Heritage Tourism Destination:
यूनेस्को ने पश्चिम बंगाल को शीर्ष विरासत पर्यटन स्थल घोषित किया

✓West Bengal's tourism sector has received international recognition with UNESCO declaring it a top destination for heritage tourism. Chief Minister Mamata Banerjee emphasized the state's significant progress in religious, heritage, and tea tourism. This development has not only boosted tourism but also generated employment for thousands of youth. West Bengal's focus on enhancing iconic religious sites and heritage spots is driving its tourism to new heights, fostering job creation, and making it a key player in India's tourism landscape. पश्चिम बंगाल के पर्यटन क्षेत्र को अंतर्राष्ट्रीय मान्यता मिली है, क्योंकि यूनेस्को ने इसे विरासत पर्यटन के लिए शीर्ष गंतव्य घोषित किया है। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने धार्मिक, विरासत और चाय पर्यटन में राज्य की महत्वपूर्ण प्रगति पर जोर दिया। इस विकास ने न केवल पर्यटन को बढ़ावा दिया है, बल्कि हजारों युवाओं के लिए रोजगार भी पैदा किया है। प्रतिष्ठित धार्मिक स्थलों और विरासत स्थलों को बढ़ाने पर पश्चिम बंगाल का ध्यान इसके पर्यटन को नई ऊंचाइयों पर ले जा रहा है, रोजगार सृजन को बढ़ावा दे रहा है और इसे भारत के पर्यटन परिदृश्य में एक प्रमुख खिलाड़ी बना रहा है।

Paryatan Mitra and Paryatan Didi: पर्यटन मित्र और पर्यटन दीदी

- ✓The Ministry of Tourism highlighted a national responsible tourism initiative called Paryatan Mitra/Paryatan Didi in the Lok Sabha.Paryatan Mitra/Paryatan Didi launched in September 2024, aims to provide a better tourist experience through training local stakeholders to be tourist-friendly ambassadors and storytellers. It Special emphasis on training women and youth to create innovative tourism products like heritage walks, food tours, and nature treks. पर्यटन मंत्रालय ने लोकसभा में पर्यटन मित्रध्पर्यटन दीदी नामक एक राष्ट्रीय जिम्मेदार पर्यटन पहल पर प्रकाश डाला। सितंबर 2024 में शुरू किए गए पर्यटन मित्रध्पर्यटन दीदी का उद्देश्य स्थानीय हितधारकों को पर्यटक–अनुकूल राजदूत और कहानीकार बनने के लिए प्रशिक्षण देकर बेहतर पर्यटक अनुभव प्रदान करना है। इसमें हेरिटेज वॉक, फूड टूर और नेचर ट्रेक जैसे अभिनव पर्यटन उत्पाद बनाने के लिए महिलाओं और युवाओं को प्रशिक्षित करने पर विशेष जोर दिया गया है।

Kumhrar Site: कुम्हरार स्थल

- ✓The Kumhrar site, linked to Mauryan history, is under Archaeological Survey of India (ASI) excavation to uncover the 80-pillar assembly hall, the site of Emperor Ashoka's third Buddhist Council.First excavated between 1912–15 by D.B. Spooner.Location: Kumhrar, near Patna, Bihar. मौर्य इतिहास से जुड़ा कुम्हरार स्थल, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) द्वारा 80–स्तंभों वाले सभा भवन को उजागर करने के लिए उत्खनन के अंतर्गत है, जो सम्राट अशोक की तीसरी बौद्ध परिषद का स्थल है। सबसे पहले 1912–15 के बीच डी.बी. स्पूनर द्वारा खुदाई की गई थी। स्थानरू कुम्हरार, पटना, बिहार के पास।

Gharcholas Saree: घरचोल साड़ी

- ✓Gujarat's 'Gharcholas' receive Geographical Indication tag. गुजरात के श्घरचोलश को भौगोलिक संकेत टैग प्राप्त हुआ है।
- ✓Gharcholas Saree is also known as Ghatchola and Gharcholu which has finest bandhani work of Gujarat घरचोल साड़ी को घाटचोला और घरचोलू के नाम से भी जाना जाता है, जिसमें गुजरात का बेहतरीन बांधनी काम होता है
- ✓It is traditionally been used for years in Gujarati weddings. यह पारंपरिक रूप से गुजराती शादियों में सालों से इस्तेमाल की जाती रही है।
- ✓The name 'Gharchola' means 'Outfit for Home', which symbolizes a newly wedded bride joining her new home. घरचोला नाम का अर्थ है श्घर के लिए पोशाकश, जो एक नवविवाहित दुल्हन के अपने नए घर में शामिल होने का प्रतीक है।

Gharcholas Saree: घरचोल साड़ी

- ✓It is woven on Cotton or Silk fabric in large checks of using Silk and Zari threads. इसे रेशम और जरी के धागों का उपयोग करके सूती या रेशमी कपड़े पर बड़े चेक में बुना जाता है।
- ✓This is further colored in Bandhani or tie & dye technique. These checkered patterns are filled with small golden motifs of peacocks, lotus, human figures, and floral designs. इसे आगे बांधनी या टाई एंड डाई तकनीक में रंगा जाता है। इन चेकर पैटर्न में मोर, कमल, मानव आकृतियाँ और फूलों के डिजाइन के छोटे सुनहरे रूपांकन भरे होते हैं।
- ✓These are traditionally crafted in auspicious colours such as red, maroon, green, and yellow, which hold special significance in Hindu customs. ये पारंपरिक रूप से लाल, मैरून, हरे और पीले जैसे शुभ रंगों में तैयार किए जाते हैं, जिनका हिंदू रीति–रिवाजों में विशेष महत्व है।

Gharcholas Saree: घरचोल साड़ी

- ✓A Gharchola Saree with 12 squares is known as 'Bar Bagh', while the one with 52 squares is known as 'Bavan Bagh'. घरचोल साड़ी को पारंपरिक रूप से लाल, मैरून, हरे और पीले जैसे शुभ रंगों में तैयार किया जाता है ... 12 वर्गों वाली घरचोला साड़ी को श्बार बागश के नाम से जाना जाता है, जबकि 52 वर्गों वाली साड़ी को श्बावन बागश के नाम से जाना जाता है।
- ✓The designs often incorporate symbols of fertility and prosperity, such as the kalash and the paan. डिजाइन में अक्सर उर्वरता और समृद्धि के प्रतीक शामिल होते हैं, जैसे कि कलश और पान।
- ✓In recent time weavers are infusing modern designs and techniques into their gharcholas, blending tradition with contemporary appeal. हाल के समय में बुनकर अपने घरचोला में आधुनिक डिजाइन और तकनीक का इस्तेमाल कर रहे हैं, जिससे परंपरा और समकालीन आकर्षण का मिश्रण हो रहा है।
- ✓This is the 27th GI tag that Gujarat has received. यह गुजरात को मिला 27वां जीआई टैग है।

80-pillar assembly hall at the Mauryan archaeological site of Kumhrar, Patna: पटना के कुम्हरार के मौर्य पुरातात्विक स्थल पर 80–स्तंभों वाला सभा भवन

- ✓ The Archaeological Survey of India (ASI) has initiated efforts to uncover the remnants of an 80-pillar assembly hall at the Mauryan archaeological site of Kumhrar, Patna.The initiative promises to rekindle global interest in the Mauryan empire and its contributions to art and architecture.80-Pillar Assembly Hall of Kumhrar, is linked to the Mauryan empire (321–185 BCE), one of ancient India's greatest dynasties. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने पटना के कुम्हरार के मौर्य पुरातात्विक स्थल पर 80–स्तंभों वाले सभा भवन के अवशेषों को उजागर करने के प्रयास शुरू किए हैं। इस पहल से मौर्य साम्राज्य और कला और वास्तुकला में इसके योगदान के बारे में वैश्विक रुचि को फिर से जगाने का वादा किया गया है। कुम्हरार का 80–स्तंभों वाला सभा भवन, मौर्य साम्राज्य (321–185 ईसा पूर्व) से जुड़ा हुआ है, जो प्राचीन भारत के सबसे महान राजवंशों में से एक था।

Indian National Trust for Art and Cultural Heritage: भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट

✓ The Supreme Court recently impleaded the Archaeological Survey of India and the Indian National Trust for Art and Cultural Heritage (INTACH) in a plea filed for the restoration of two heritage buildings in Mysore city. सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में मैसूर शहर में दो विरासत भवनों के जीर्णोद्धार के लिए दायर याचिका में भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट (प्छज।ब्) को पक्षकार बनाया है।

✓ Indian National Trust for Art and Cultural Heritage (INTACH) is an autonomous non-profit organisation set up in 1984 with a mandate to protect and conserve India's vast natural, built and cultural heritage. भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट (प्छज।ब्) 1984 में स्थापित एक स्वायत्त गैर–लाभकारी संगठन है, जिसका उद्देश्य भारत की विशाल प्राकृतिक, निर्मित और सांस्कृतिक विरासत की रक्षा और संरक्षण करना है।

Indian National Trust for Art and Cultural Heritage: भारतीय राष्ट्रीय कला एवं सांस्कृतिक विरासत ट्रस्ट

- ✓ It is recognized as one of the world's largest heritage organizations, with over 228 Chapters across the Country. इसे देश भर में 228 से अधिक शाखाओं के साथ दुनिया के सबसे बड़े विरासत संगठनों में से एक माना जाता है।
- ✓ It is essentially a volunteer-based organization and its enthusiastic volunteers in a network of chapters in cities, towns and villages across the country are largely responsible for the spread of awareness about the vast cultural heritage of the country. यह अनिवार्य रूप से एक स्वयंसेवक–आधारित संगठन है और देश भर के शहरों, कस्बों और गांवों में शाखाओं के नेटवर्क में इसके उत्साही स्वयंसेवक देश की विशाल सांस्कृतिक विरासत के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए काफी हद तक जिम्मेदार हैं।
- ✓ Headquartered in New Delhi मुख्यालय नई दिल्ली में है

TOPPERS ACADEMY

Hornbill Festival 2024: हॉर्नबिल फेस्टिवल 2024

- ✓ The Hornbill Festival, Nagaland's iconic cultural and tourism fair that is annually held from December 1 to 10. हॉर्नबिल फेस्टिवल, नागालैंड का प्रतिष्ठित सांस्कृतिक और पर्यटन मेला है जो हर साल 1 से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जाता है।

Hornbill Festival is an annual festival celebrated from 1 to 10 of December in Nagaland. हॉर्नबिल फेस्टिवल नागालैंड में 1 से 10 दिसंबर तक मनाया जाने वाला एक वार्षिक उत्सव है।

- ✓ It was first time organized in the year 2000. इसे पहली बार वर्ष 2000 में आयोजित किया गया था।

- ✓ It aims to promote inter-tribal interaction and preserve Nagaland's heritage, blending the traditional with the contemporary in a harmonious display of unity. इसका उद्देश्य अंतर–जनजातीय संपर्क को बढ़ावा देना और नागालैंड की विरासत को संरक्षित करना है, जो एकता के सामंजस्यपूर्ण प्रदर्शन में पारंपरिक और समकालीन को मिलाता है।

Hornbill Festival 2024: हॉर्नबिल फेस्टिवल 2024

- ✓ It is also called the festivals of festivals and held every year. इसे त्योहारों का त्योहार भी कहा जाता है और हर साल आयोजित किया जाता है।
- ✓ It is organized by the State Tourism and Art & Culture Departments of the Government of Nagaland. यह नागालैंड सरकार के राज्य पर्यटन और कला एवं संस्कृति विभागों द्वारा आयोजित किया जाता है।
- ✓ It is celebrated at Naga Heritage Village, Kisama which is about 12 km from Kohima in Nagaland. यह नागा हेरिटेज विलेज, किसामा में मनाया जाता है जो नागालैंड में कोहिमा से लगभग 12 किमी दूर है।
- ✓ It has evolved into a celebration showcasing the diverse and vibrant cultural and traditional heritage of the tribes of Nagaland. यह नागालैंड की जनजातियों की विविध और जीवंत सांस्कृतिक और पारंपरिक विरासत को प्रदर्शित करने वाले उत्सव के रूप में विकसित हुआ है। इस त्यौहार का नाम हॉर्नबिल पक्षी के नाम पर रखा गया है, क्योंकि इसका नागाओं के सामाजिक–सांस्कृतिक जीवन से जुड़ाव है।

Hornbill Festival 2024: हॉर्नबिल फेस्टिवल 2024

- ✓ The festival was named after the Hornbill bird given its association with the socio-cultural life of the Nagas. 2024 के त्यौहार का विषयरू हॉर्नबिल फेस्टिवल 2024, जिसका थीम "सांस्कृतिक जुड़ाव" है, नागालैंड की समृद्ध विरासत और सांस्कृतिक विविधता का एक भव्य उत्सव है।
- ✓ Theme of 2024 festival: The Hornbill Festival 2024, themed"Cultural Connect," is a grand celebration of Nagaland's rich heritage and cultural diversity. त्योहार का आकर्षण संस्कृति से परे है, जो नागा कुश्ती, पारंपरिक तीरंदाजी, भोजन और हर्बल दवा स्टॉल, फैशन शो, सौंदर्य प्रतियोगिता और संगीत समारोह जैसी गतिविधियों के साथ आधुनिकता और परंपरा को एक साथ जोड़ता है।

Hornbill Festival 2024: हॉर्नबिल फेस्टिवल 2024

- ✓The festival's appeal extends beyond culture, weaving together modernity and tradition with activities like Naga wrestling, traditional archery, food and herbal medicine stalls, fashion shows, beauty contests, and musical concerts. इस महोत्सव का आकर्षण संस्कृति से परे है, जिसमें नागा कुश्ती, पारंपरिक तीरंदाजी, खाद्य और हर्बल दवाइयों के स्टॉल, फैशन शो, सौंदर्य प्रतियोगिताएं और संगीत समारोह जैसी गतिविधियों के साथ आधुनिकता और परंपरा का मिश्रण है।

- ✓This year, the Archives Branch is also hosting a special exhibition titled "Naga-Land & People in Archival Mirror", in collaboration with the National Archives of India, offering an in-depth exploration of the region's history and cultural practices. इस वर्ष, अभिलेखागार शाखा भारतीय राष्ट्रीय अभिलेखागार के सहयोग से "अभिलेखीय दर्पण में नागा–भूमि और लोग" नामक एक विशेष प्रदर्शनी भी आयोजित कर रही है, जो क्षेत्र के इतिहास और सांस्कृतिक प्रथाओं की गहन खोज प्रस्तुत करती है।

Amit Shah Unveils Sardar Patel Statue in Jodhpur: अमित शाह ने जोधपुर में सरदार पटेल की प्रतिमा का अनावरण किया

- ✓ Union Home Minister and Minister of Cooperation Shri Amit Shah unveiled an 11-ft tall statue of Sardar Vallabhbhai Patel in Jodhpur, Rajasthan, in the presence of Union Minister Shri Gajendra Singh Shekhawat and other dignitaries. The statue, made of several metals and weighing 1,100 kilograms, stands on an 8-ft pedestal.केंद्रीय गृह मंत्री और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने केंद्रीय मंत्री श्री गजेंद्र सिंह शेखावत और अन्य गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति में राजस्थान के जोधपुर में सरदार वल्लभभाई पटेल की 11 फीट ऊंची प्रतिमा का अनावरण किया। कई धातुओं से बनी और 1,100 किलोग्राम वजनी यह प्रतिमा 8 फीट ऊंचे चबूतरे पर खड़ी है।

Dalai Lama's Secret to Happiness: दलाई लामा की खुशी का राज

✓Dr. Dinesh Shahra, a renowned philanthropist, author, and thought leader, launched his book, Dalai Lama's Secret to Happiness, at the prestigious Library of Tibetan Works & Archives (LTWA) in Dharamshala. This event highlighted the significance of His Holiness the Dalai Lama's teachings and their impact on promoting peace and happiness. डॉ. दिनेश शाहरा, एक प्रसिद्ध परोपकारी, लेखक और विचार नेता, ने धर्मशाला में प्रतिष्ठित तिब्बती वर्क्स एंड आर्काइव्स (स्ॅ।) लाइब्रेरी में अपनी पुस्तक, दलाई लामा की खुशी का राज का विमोचन किया। इस कार्यक्रम में परम पावन दलाई लामा की शिक्षाओं के महत्व और शांति और खुशी को बढ़ावा देने में उनके प्रभाव पर प्रकाश डाला गया।

22nd Divya Kala Mela: 22वां दिव्य कला मेला

✓The 22nd edition of the Divya Kala Mela, inaugurated by Union Minister Dr. Virendra Kumar at India Gate, New Delhi, from December 12-22, 2024, celebrates the talent and entrepreneurial spirit of Divyang artisans and entrepreneurs. This event is a powerful initiative by the Department of Empowerment of Persons with Disabilities (DEPwD) and the National Divyangjan Finance and Development Corporation (NDFDC). 12–22 दिसंबर, 2024 तक इंडिया गेट, नई दिल्ली में आयोजित होने वाले दिव्य कला मेले के 22वें संस्करण का उद्घाटन केंद्रीय मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने किया। यह आयोजन दिव्यांग कारीगरों और उद्यमियों की प्रतिभा और उद्यमशीलता की भावना का जश्न मनाता है। यह आयोजन दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग (क्म्च्क्) और राष्ट्रीय दिव्यांगजन वित्त एवं विकास निगम (छक्थ्क्ब) की एक सशक्त पहल है।

"Under the Sal Tree" Theatre Festival: अंडर द साल ट्री" थिएटर फेस्टिवल

✓The "Under the Sal Tree" Theatre Festival, held annually in Rampur, Assam, promotes eco-friendly and sustainable practices in theatre while showcasing rich cultural diversity. Sal Tree Theatre Festival is An open-air theatre festival promoting carbon neutrality and eco-conscious practices in theatre, hosted by Badungduppa Kalakendra in Rampur, Assam. असम के रामपुर में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला "अंडर द साल ट्री" थिएटर फेस्टिवल, समृद्ध सांस्कृतिक विविधता को प्रदर्शित करते हुए थिएटर में पर्यावरण के अनुकूल और टिकाऊ प्रथाओं को बढ़ावा देता है। साल ट्री थिएटर फेस्टिवल एक ओपन–एयर थिएटर फेस्टिवल है जो थिएटर में कार्बन तटस्थता और पर्यावरण के प्रति जागरूक प्रथाओं को बढ़ावा देता है, जिसका आयोजन असम के रामपुर में बडुंगडुप्पा कलाकेंद्र द्वारा किया जाता है।

Abathsahayeswarar Temple : Chosen By UNESCO अबथसहायेश्वर मंदिर यूनेस्को द्वारा चुना गया

✓The 1,300-year-old Abathsahayeshwarar Temple has been chosen by UNESCO to receive the Asia-Pacific Awards for Cultural Heritage Conservation award. 1,300 साल पुराने अबथसहायेश्वर मंदिर को सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए एशिया–प्रशांत पुरस्कार प्राप्त करने के लिए यूनेस्को द्वारा चुना गया है।

Abathsahayeswarar Temple is located in Thukkatchi in Thanjavur district of Tamil Nadu. अबथसहायेश्वर मंदिर तमिलनाडु के तंजावुर जिले के थुक्काची में स्थित है।

✓It was constructed during the reigns of Kings Vikrama Chola and Kulothunga Chola. इसका निर्माण राजा विक्रम चोल और कुलोथुंगा चोल के शासनकाल के दौरान किया गया था।

Abathsahayeswarar Temple : Chosen By UNESCO अबथसहायेश्वर मंदिर यूनेस्को द्वारा चुना गया

- ✓This temple stands as a testament to the architectural brilliance and spiritual dedication of the Chola dynasty. यह मंदिर चोल वंश की स्थापत्य प्रतिभा और आध्यात्मिक समर्पण का प्रमाण है।
- ✓Historically, the village surrounding the temple was known as Vikrama Chozheeswaram and Kulothunga Chola Nallur, named after these illustrious rulers. ऐतिहासिक रूप से, मंदिर के आसपास के गाँव को विक्रम चोझीश्वरम और कुलोथुंगा चोल नल्लूर के नाम से जाना जाता था, जिसका नाम इन शानदार शासकों के नाम पर रखा गया था।
- ✓Kulothunga Chola also installed the idol of Aadhi Sarabeshwarar in the temple. कुलोथुंगा चोल ने मंदिर में आधी सरबेश्वर की मूर्ति भी स्थापित की थी।

Abathsahayeswarar Temple : Chosen By UNESCO अबथसहायेश्वर मंदिर यूनेस्को द्वारा चुना गया

- ✓The temple is home to numerous deities, including Soundaryanayaki Ambal and Ashtabhuja Durga Parameshwari and also consists of five prakarams or enclosures. मंदिर में अनेक देवी–देवता विराजमान हैं, जिनमें सौंदर्यनायकी अम्बल और अष्टभुजा दुर्गा परमेश्वरी शामिल हैं और इसमें पाँच प्रकारम या बाड़े भी हैं।
- ✓UNESCO Asia – Pacific Awards for cultural heritage conservation सांस्कृतिक विरासत संरक्षण के लिए यूनेस्को एशिया–प्रशांत पुरस्कार
- ✓This award recognises the efforts of individuals and organizations in Asia and the Pacific in restoring, conserving, and otherwise transforming structures and buildings of heritage value since its establishment in 2000. यह पुरस्कार 2000 में अपनी स्थापना के बाद से विरासत मूल्य की संरचनाओं और इमारतों को बहाल करने, संरक्षित करने और अन्यथा रूपांतरित करने में एशिया और प्रशांत क्षेत्र में व्यक्तियों और संगठनों के प्रयासों को मान्यता देता है।

Abathsahayeswarar Temple : Chosen By UNESCO अबथसहायेश्वर मंदिर यूनेस्को द्वारा चुना गया

- ✓In acknowledging private efforts to restore adapt and breathe new life into historic properties, the Awards encourage other independent efforts, as well as public-private partnerships to undertake conservation projects in their communities. ऐतिहासिक संपत्तियों को पुनर्स्थापित करने, अनुकूलित करने और उनमें नई जान फूंकने के निजी प्रयासों को मान्यता देते हुए, पुरस्कार अन्य स्वतंत्र प्रयासों के साथ–साथ सार्वजनिक–निजी भागीदारी को अपने समुदायों में संरक्षण परियोजनाएं शुरू करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

Wall Street Journal as one of the top global destinations for 2025:

वॉल स्ट्रीट जर्नल ने 2025 के लिए शीर्ष वैश्विक गंतव्यों में से एक के रूप में स्थान दिया

- ✓Madhya Pradesh has earned global recognition as one of the Wall Street Journal's "Go-To Global Destinations for 2025," showcasing its rich heritage, unique wildlife, and natural beauty. This prestigious acknowledgment builds upon the state's ongoing efforts to establish itself as a premier travel destination. With iconic UNESCO World Heritage Sites like Khajuraho, Panna, and Bandhavgarh, as well as an array of vibrant cultural experiences, Madhya Pradesh is solidifying its position on the global tourism map. मध्य प्रदेश ने अपनी समृद्ध विरासत, अद्वितीय वन्य जीवन और प्राकृतिक सुंदरता को प्रदर्शित करते हुए वॉल स्ट्रीट जर्नल के ष्2025 के लिए जाने–माने वैश्विक गंतव्योंष में से एक के रूप में वैश्विक मान्यता प्राप्त की है। यह प्रतिष्ठित मान्यता राज्य द्वारा खुद को एक प्रमुख पर्यटन स्थल के रूप में स्थापित करने के लिए किए जा रहे प्रयासों पर आधारित है। खजुराहो, पन्ना और बांधवगढ़ जैसे प्रतिष्ठित यूनेस्को विश्व धरोहर स्थलों के साथ–साथ जीवंत सांस्कृतिक अनुभवों की एक श्रृंखला के साथ, मध्य प्रदेश वैश्विक पर्यटन मानचित्र पर अपनी स्थिति को मजबूत कर रहा है।

Elephant Parade in Thrissur Pooram: त्रिशूर पूरम में हाथियों की परेड

- ✓The Supreme Court stayed a series of restrictions imposed by the Kerala high court on the use of elephants in Thrissur Pooram.Earlier the Kerala High Court mandated a 3-meter gap between elephants, 8 meters from the public or percussion displays, and a 100-meter buffer from areas using fireworks.Thrissur Pooram is an annual Hindu temple festival held in Thrissur, Kerala which is a symbolic meeting of deities of 10 temples.Celebrated in Medam (April-May) in Kerala, it is known as the Mother of all Poorams (temple festival).It was started by Raja Rama Varma, famously known as Sakthan Thampuran, the Maharaja of Cochin (1790–1805), with the participation of 10 different temples.Vibrantly decked elephants are a major highlight of Thrissur Pooram. सुप्रीम कोर्ट ने त्रिशूर पूरम में हाथियों के इस्तेमाल पर केरल उच्च न्यायालय द्वारा लगाए गए प्रतिबंधों की एक श्रृंखला पर रोक लगा दी। इससे पहले केरल उच्च न्यायालय ने हाथियों के बीच 3 मीटर का अंतर, सार्वजनिक या ताल प्रदर्शन से 8 मीटर और आतिशबाजी का उपयोग करने वाले क्षेत्रों से 100 मीटर का बफर अनिवार्य किया था। त्रिशूर पूरम केरल के त्रिशूर में आयोजित एक वार्षिक हिंदू मंदिर उत्सव है जो 10 मंदिरों के देवताओं की प्रतीकात्मक बैठक है। केरल में मेडम (अप्रैल–मई) में मनाया जाने वाला यह त्यौहार सभी पूरमों (मंदिर उत्सव) की जननी के रूप में जाना जाता है। इसकी शुरुआत राजा राम वर्मा ने की थी, जिन्हें सक्थन थंपुरन के नाम से जाना जाता था, जो कोचीन के महाराजा (1790–1805) थे, जिसमें 10 अलग–अलग मंदिर शामिल होते थे।

Rann Utsav: रण उत्सव

- ✓ The Indian Prime Minister has invited the public to experience the Rann Utsav, which continues till March 2025. भारतीय प्रधानमंत्री ने जनता को रण उत्सव का अनुभव करने के लिए आमंत्रित किया है, जो मार्च 2025 तक जारी रहेगा।
- ✓ Rann Utsav is an annual cultural festival organized by the Gujarat Tourism Department in the Great Rann of Kutch, India's largest salt desert. रण उत्सव गुजरात पर्यटन विभाग द्वारा भारत के सबसे बड़े नमक रेगिस्तान, कच्छ के महान रण में आयोजित एक वार्षिक सांस्कृतिक उत्सव है।
- ✓ It celebrates the cultural and artistic heritage of Kutch, attracting domestic and international tourists. यह कच्छ की सांस्कृतिक और कलात्मक विरासत का जश्न मनाता है, जो घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करता है।

Rann Utsav: रण उत्सव

- ✓ The Rann of Kutch is a vast area of salt marshes, straddling the border between India and Pakistan. कच्छ का रण नमक दलदल का एक विशाल क्षेत्र है, जो भारत और पाकिस्तान के बीच की सीमा पर फैला हुआ है
- ✓ It is primarily located in the Kutch district of Gujarat, with a smaller portion in the Sindh province of Pakistan. यह मुख्य रूप से गुजरात के कच्छ जिले में स्थित है, जिसका एक छोटा हिस्सा पाकिस्तान के सिंध प्रांत में है।
- ✓ Great Rann of Kutch: The larger portion, stretching east to west. कच्छ का महान रणरू बड़ा हिस्सा, पूर्व से पश्चिम तक फैला हुआ है।
- ✓ Bordered by the Thar Desert to the north and Kutch Hills to the south. उत्तर में थार रेगिस्तान और दक्षिण में कच्छ की पहाड़ियों से घिरा हुआ है।

Rann Utsav: रण उत्सव

- ✓ Little Rann of Kutch: Located southeast of the Great Rann, extending southwards to the Gulf of Kutch. कच्छ का छोटा रणरू महान रण के दक्षिण–पूर्व में स्थित, दक्षिण की ओर कच्छ की खाड़ी तक फैला हुआ है।
- ✓ Geographical features: It lies close to sea level, connected to the Arabian Sea via the Kori Creek (west) and the Gulf of Kutch (east). भौगोलिक विशेषताएँरू यह समुद्र तल के करीब स्थित है, कोरी क्रीक (पश्चिम) और कच्छ की खाड़ी (पूर्व) के माध्यम से अरब सागर से जुड़ा हुआ है।
- ✓It is the only large flooded grassland zone in the Indomalayan realm, a biogeographic region extending across South and Southeast Asia यह इंडोमलय क्षेत्र में एकमात्र बड़ा बाढ़ वाला घास का मैदान क्षेत्र है, जो दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में फैला एक जैवभौगोलिक क्षेत्र है।

Kashmiri Papier-mache: कश्मीरी पेपर–मैचे

✓343 years after its extinction, Kashmir artisans give wings to the dodo in papier mache. विलुप्त होने के 343 साल बाद, कश्मीर के कारीगर पेपर–मैचे में डोडो को पंख दे रहे हैं।

✓Kashmiri Papier-mâché is a traditional handicraft of the Kashmir Valley, introduced in the 14th century by Muslim saint Mir Sayyid Ali Hamadani from Persia. कश्मीरी पेपर–मैचे कश्मीर घाटी का एक पारंपरिक हस्तशिल्प है, जिसे 14वीं शताब्दी में फारस के मुस्लिम संत मीर सैय्यद अली हमदानी ने पेश किया था।

✓This craft is known for its intricate designs and use of paper pulp to create colorful, richly decorated items. यह शिल्प अपने जटिल डिजाइनों और रंगीन, समृद्ध रूप से सजाए गए सामान बनाने के लिए कागज के गूदे के उपयोग के लिए जाना जाता है।

Kashmiri Papier-mache: कश्मीरी पेपर–मैचे

✓Made primarily from paper pulp. Items are handcrafted in homes and workshops, mainly in Srinagar and other parts of the Kashmir Valley मुख्य रूप से कागज के गूदे से बनाया जाता है। सामान मुख्य रूप से श्रीनगर और कश्मीर घाटी के अन्य हिस्सों में घरों और कार्यशालाओं में हस्तनिर्मित होते हैं

✓Vases, bowls, cups (with or without metal rims), boxes, trays, and lamp bases. फूलदान, कटोरे, कप (धातु रिम के साथ या बिना), बक्से, ट्रे और लैंप बेस।

✓Recently, products like papier-mâché models of extinct birds (e.g., dodos) have also gained attention. हाल ही में, विलुप्त पक्षियों (जैसे, डोडो) के पेपर–मैचे मॉडल जैसे उत्पादों ने भी ध्यान आकर्षित किया है।

Kashmiri Papier-mache: कश्मीरी पेपर–मैचे

- ✓The designs feature floral motifs, forest prints, and other intricate patterns symbolizing cultural and ecological themes. इन डिजाइनों में पुष्प आकृतियाँ, वन प्रिंट और अन्य जटिल पैटर्न शामिल हैं जो सांस्कृतिक और पारिस्थितिक विषयों का प्रतीक हैं।
- ✓While the products have a significant domestic market, they are also highly demanded internationally in Europe, Mauritius, and other regions. जबकि उत्पादों का एक महत्वपूर्ण घरेलू बाजार है, यूरोप, मॉरीशस और अन्य क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उनकी अत्यधिक मांग है।

UP CM Inaugurates Atal Yuva Maha Kumbh: यूपी सीएम ने अटल युवा महाकुंभ का उद्घाटन किया

✓Uttar Pradesh Chief Minister Yogi Adityanath and Defence Minister Rajnath Singh inaugurated the 'Atal Yuva Maha Kumbh' in Lucknow to honor the birth centenary of former Prime Minister Atal Bihari Vajpayee. The event, aimed at celebrating Vajpayee's legacy, included the recognition of meritorious students, cultural tributes, and discussions on Vajpayee's contributions. December 25 marks Vajpayee's 100th birth anniversary, which is also observed as 'Good Governance Day' across India. उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी की जन्म शताब्दी के उपलक्ष्य में लखनऊ में 'अटल युवा महाकुंभ' का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य वाजपेयी की विरासत का जश्न मनाना था, जिसमें मेधावी छात्रों को सम्मानित करना, सांस्कृतिक श्रद्धांजलि देना और वाजपेयी के योगदान पर चर्चा करना शामिल था। 25 दिसंबर को वाजपेयी की 100वीं जयंती है, जिसे पूरे भारत में 'सुशासन दिवस' के रूप में भी मनाया जाता है।

Intangible Cultural Heritage : UNESCO अमूर्त सांस्कृतिक विरासतरू यूनेस्को

✓The recognition of Bosnia's Sevdalinka, also known as "Balkan Blues," as part of UNESCO's National Inventory of Intangible Cultural Heritage highlights global efforts to preserve and celebrate diverse cultural traditions.A melancholic urban love song blending South Slavic oral poetry and Ottoman music, often referred to as the "Balkan Blues."Nation: Bosnia.Features are Traditionally performed a cappella or with instruments like the saz (lute).Originates from the 16th century, carrying themes of love and melancholy. Recognized as a cultural symbol of Bosnia's history and identity. बोस्निया के सेवडालिंका, जिसे "बाल्कन ब्लूज" के नाम से भी जाना जाता है, को यूनेस्को की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत की राष्ट्रीय सूची के हिस्से के रूप में मान्यता देना, विविध सांस्कृतिक परंपराओं को संरक्षित करने और उनका जश्न मनाने के वैश्विक प्रयासों पर प्रकाश डालता है। दक्षिण स्लाव मौखिक कविता और ओटोमन संगीत को मिलाकर बनाया गया एक उदास शहरी प्रेम गीत, जिसे अक्सर "बाल्कन ब्लूज" कहा जाता है। राष्ट्ररू बोस्निया। विशेषताएँ पारंपरिक रूप से एक कैपेला या साज (ल्यूट) जैसे उपकरणों के साथ प्रस्तुत की जाती हैं। 16वीं शताब्दी से शुरू हुआ, जिसमें प्रेम और उदासी के विषय हैं। बोस्निया के इतिहास और पहचान के सांस्कृतिक प्रतीक के रूप में मान्यता प्राप्त है।

Srisailam Temple: श्रीशैलम मंदिर

✓The Archaeological Survey of India (ASI) recently made a significant discovery at the Srisailam Temple, uncovering several copper plates and other ancient inscriptions in the temple's Ghantamandapam.Srisailam Temple, or Sri Bhramaramba Mallikarjuna Swamy Temple, is a Hindu temple dedicated to Lord Shiva, worshipped here in the form of Mallikarjuna Swamy. भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने हाल ही में श्रीशैलम मंदिर में एक महत्वपूर्ण खोज की है, जिसमें मंदिर के घंटामंडपम में कई तांबे की प्लेटें और अन्य प्राचीन शिलालेख मिले हैं। श्रीशैलम मंदिर, या श्री भ्रमरम्बा मल्लिकार्जुन स्वामी मंदिर, भगवान शिव को समर्पित एक हिंदू मंदिर है, जिन्हें यहाँ मल्लिकार्जुन स्वामी के रूप में पूजा जाता है।

✓It is located at Srisailam in Andhra Pradesh. यह आंध्र प्रदेश के श्रीशैलम में स्थित है।

Srisailam Temple: श्रीशैलम मंदिर

✓It is surrounded by the forests of the Nallamala Hills, overlooking the pristine waters of the Krishna River. यह नल्लामाला पहाड़ियों के जंगलों से घिरा हुआ है, जहाँ से कृष्णा नदी का प्राचीन जल दिखाई देता है।

✓According to Hindu mythology, the temple is one of the 12 Jyotirlingas, divine manifestations of Lord Shiva spread across India. हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, यह मंदिर भारत भर में फैले भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है।

✓The Goddess Shakti is worshipped as Bramarambha in the temple and has a shrine dedicated to her. मंदिर में देवी शक्ति की ब्रह्मरम्भा के रूप में पूजा की जाती है और उनके लिए एक मंदिर भी है।

Srisailam Temple: श्रीशैलम मंदिर

✓This ancient temple built in the Dravidian style with lofty towers and sprawling courtyards is one of the finest specimens of Vijayanagara architecture. द्रविड़ शैली में निर्मित यह प्राचीन मंदिर, जिसमें ऊंची मीनारें और विशाल प्रांगण हैं, विजयनगर वास्तुकला के बेहतरीन नमूनों में से एक है।

✓Though the exact origins of the temple are not available, the Satavahanas of the 2nd century AD have referred to it. यद्यपि मंदिर की सटीक उत्पत्ति उपलब्ध नहीं है, लेकिन दूसरी शताब्दी ईस्वी के सातवाहनों ने इसका उल्लेख किया है।

✓The Kakatiyas and the Vijayanagara kings have made several endowments here. काकतीय और विजयनगर के राजाओं ने यहाँ कई दान किए हैं।

Srisailam Temple: श्रीशैलम मंदिर

✓The unique feature of this temple is the combination of Jyothirlingam and Mahasakthi (in the form of Bhramarambika) in one campus, which is very rare and only one of its kind. इस मंदिर की अनूठी विशेषता एक परिसर में ज्योतिर्लिंगम और महाशक्ति (भ्रमरम्बिका के रूप में) का संयोजन है, जो बहुत दुर्लभ है और अपनी तरह का एकमात्र है।

✓ The great religious leader Aadi Sankara is said to have visited this shrine and composed his immortal Sivananda Lahiri here. कहा जाता है कि महान धार्मिक नेता आदि शंकराचार्य ने इस मंदिर का दौरा किया था और यहाँ अपनी अमर शिवानंद लाहिड़ी की रचना की थी।